UGC NTA NET (हिन्दी साहित्य)
साहित्यशास्त्र (रीति सम्प्रदाय)
ईकाई -3 भाग -6

Jyoti (Hindi Educator)
12:00PM

UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

UGC Paper 1st Free Cl...
120 subscribers
December 28
Channel created
Channel photo changed
UGC
Broadcast

government_job_2020
1,711
Posts
6,845
Followers
7
Followi
Govt job 2020 (Fillerform) 17K
Education Website
Free Online Computer Class
1. Baisc computer
2. Web development
3. Hackig ... more
youtu.be/mIfPC5C-EvQ
Jaipur, Rajasthan
Edit Profile
Promotions
Insights
Contact
New
15K Sub
YouTube
2000 users

UGC NET 100% Off Free Class

Free Notes

Live Class

5000+MCQ+PYQ

Free Books

100% OFF

fillerform

UGC-NET 2022

09:00 AM
Current GK

11:00 AM
1st Paper

02:00 PM
1st Paper

12:00 PM
Hindi-2nd paper

01:00 PM
History-2nd paper

03:00 PM
Commerce – 2nd

09:00 PM
Management

January
10

fillerform 8209837844 www.ugc-net.com

UGC-NET 2022

12:00 PM
Hindi-2nd paper

01:00 PM
History-2nd paper

03:00 PM
Commerce – 2nd

04:00 PM
Political sciences

06:00 PM
Sanskrti

08:00 PM
Computer Sce.

09:00 PM
Management

JANUARY
17

fillerform 8209837844 www.ugc-net.com

8209837844

www.ugc-net.com

रीति सिद्धांत

8209837844

www.ugc-net.com

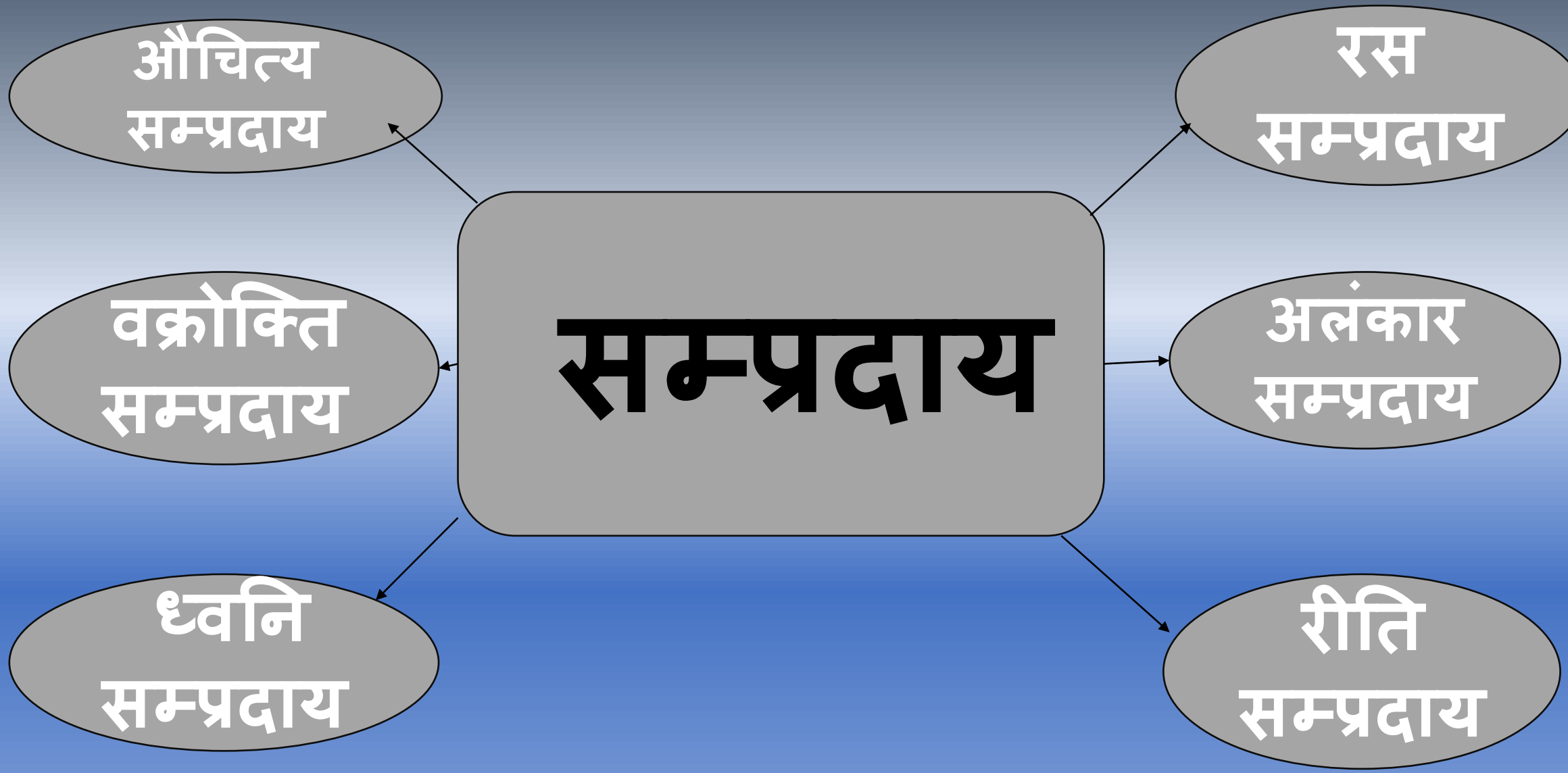

8209837844

www.ugc-net.com

रीति सिद्धांत

रीति सिद्धांत : - 'रीति' का कोशगत अर्थ है – पदधति, प्रणाली, मार्ग आदि | कि एक ही भाव को विभिन्न व्यक्ति अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत करते हैं और उनका अपना-अपना आकर्षण व प्रभाव होता है | यही रचना-प्रणाली रीति कहलाती है |रीति सिद्धांत के प्रवर्तक आचार्य वामन लिखते हैं — विशिष्ट प्रकार की पद-रचना ही रीति है |इसका यह अर्थ हुआ कि विशिष्ट पद-रचना का संबंध गुणों से है | वामन गुणों को रीति का प्राण मानते हैं

वामन प्रथम आचार्य हैं जिन्होंने 'रीतिरात्मा काव्यस्य' (रीति काव्य की आत्मा है) कहकर रीति को गौरव प्रदान किया |

8209837844

www.ugc-net.com

वामन ने गुणों के दो भेद

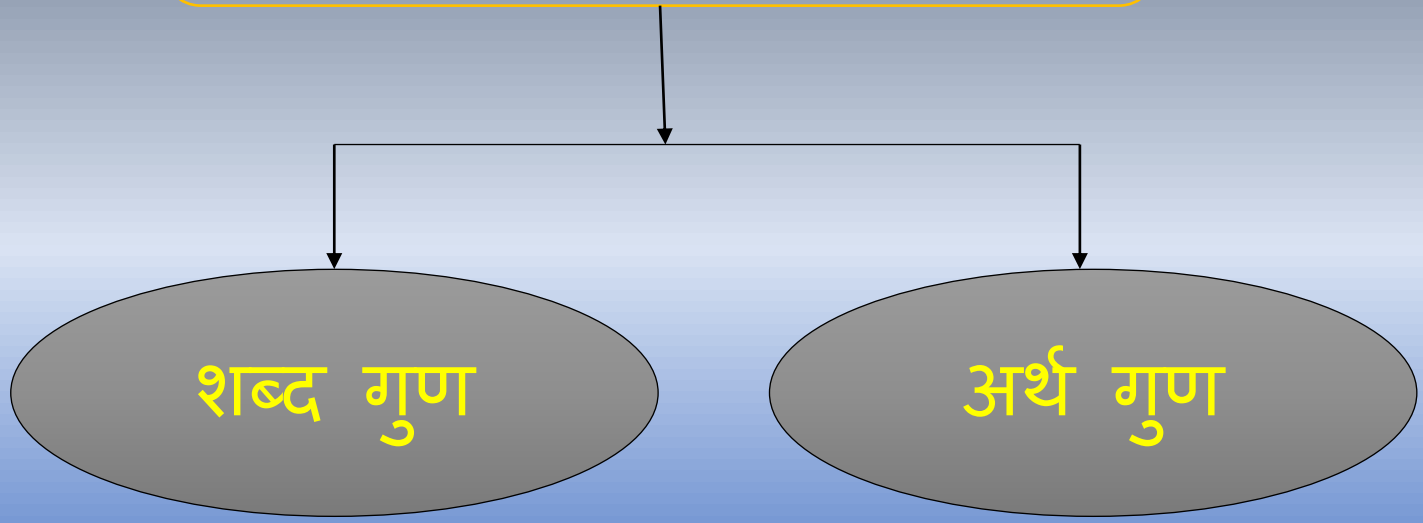

आचार्य वामन ने गुणों के दो भेद किए हैं – शब्द गुण और अर्थ गुण |रस, अलंकार आदि को भी उन्होंने गुणों के अंतर्गत ले लिया

8209837844

www.ugc-net.com

वामन रीतियाँ

वामन से पूर्व केवल 3 रीतियाँ प्रचलित थी – वैदर्भी और गौड़ी | परंतु वामन ने इन दोनों के मध्य 'पांचाली' की उद्भावना की | इस प्रकार आचार्य वामन रीतियों की संख्या तीन मानते हैं | तीनों रीतियों का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत करते हुए आचार्य वामन ने वैदर्भी रीति में दस गुण माने हैं | वैदर्भी रीति को श्रेष्ठ मानते हुए उन्होंने इसे 'समग्रगुण भूषिता: रीति' कहा | वैदर्भी रीति के संबंध में आचार्य वामन ने कहा – "वैदर्भी रीति समस्त गुणों से गुम्फित, दोषों से सर्वथा रहित और वीणा के स्वरों जैसी मधुर होती है |" गौड़ी रीति में उन्होंने दो गुण माने हैं – ओज और कान्तितीनों रीतियों | उन्होंने पांचाली में माधुर्य और सुकुमार्य, दो गुण माने हैं

तीन रीतियों

- वैदर्भी
- गौड़ी
- पांचाली

रीति	गुण	वृत्ति	सम्बंधित रस
वैदर्भी	माधुर्य गुण	उपनागरिका वृत्ति	करुण, श्रृंगार, भक्ति, वात्सल्य
गौड़ी	ओज गुण	परुषा वृत्ति	वीर, रौद्र, वीभत्स
पांचाली	प्रसाद गुण	कोमला वृत्ति	सभी रसों में

8209837844

www.ugc-net.com

रीति सिद्धांत के समर्थक आचार्य

1. दण्डी — दण्डी ने रीति और गुण के संबंधों को नियमबद्ध करते हुए गुणों की दृष्टि से गौड़ी की अपेक्षा वैदर्भी को श्रेष्ठ माना |

2. आनन्दवर्धन — ध्वनिवादी आचार्य आनंदवर्धन ने रीति को 'पद-संघटना' कहा | उनके अनुसार 'यथोचित पद रचना का नाम रीति है' |

3. विश्वनाथ — आचार्य विश्वनाथ ने अपने ग्रंथ 'साहित्यदर्पण' में रीति की परिभाषा कुछ इस प्रकार से दी है — "पद संघटना रीति: अंगसंस्थाविशेषवत् उपकर्त्री रसादीनाम | अर्थात् जिस प्रकार सुनियोजित और सुसंगठित सुंदरी के अंग प्रिय लगते हैं, उसी प्रकार से पद संघटना रीति भी काव्य को सुंदरता प्रदान करती है |"

4. आचार्य कुंतक - आचार्य कुंतक की महत्वपूर्ण देन यह थी कि उन्होंने रीति को वृति के रूप मे स्वीकार किया है |

5. राजशेखर- राजशेखर ने समास के साथ अनुप्रास को भी रीति का मूल आधार मानते हुए तीन प्रकार की कृतियाँ मानी – वैदर्भी योग वृत्ति, पांचाली उपचार वृत्ति तथा गौड़ीय योग वृत्ति |

6. शारदातनय- वचन विन्यासकरम

7. विद्याधर-

8209837844

www.ugc-net.com

रीति काव्य

रीति काव्य की आत्मा है ?

आचार्य वामन ने रीति सम्प्रदाय की प्रतिष्ठा की है। उन्होंने काव्यालंकार सूत्रवृत्ति में 'रीति' को काव्य की आत्मा घोषित किया है। उनके अनुसार 'पदों की विशिष्ट रचना ही रीति है' (विशिष्टपदरचना रीतिः)। वामन के मत में रीति काव्य की आत्मा है (रीतिरात्मा काव्यस्य)। उनके अनुसार विशिष्ट पद-रचना, रीति है और गुण उसके विशिष्ट आत्मरूप धर्म है।रीति सिद्धांत की देन रीति के आधारभूत गुणों की प्रतिष्ठा शैली के महत्ता की प्रतिष्ठा सौंदर्य की प्रतिष्ठा व्यापक सिद्धांत

FEEDBACK

धन्यवाद....

For More Information

8209837844

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

/Fillerform

info@fillerform.com